सीबीएसई कक्षा - 12 हिन्दी (केन्द्रिक) सेट-1
2015 (दिल्ली कंपार्टमेंट)

निर्देश:

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (15)

सभी मनुष्य स्वभाव से ही साहित्य-स्रष्टा नहीं होते, पर साहित्य-प्रेमी होते हैं। मनुष्य का स्वभाव ही है सुन्दर देखने का। घी का लड्डू टेढ़ा भी मीठा ही होता है, पर मनुष्य गोल बनाकर उसे सुन्दर कर लेता है। मूर्ख-से-मूर्ख हलवाई के यहाँ भी गोल लड्डू ही प्राप्त होता है; लेकिन सुन्दरता को सदा-सर्वदा तलाश करने की शक्ति साधना के द्वारा प्राप्त होती है। उच्छृंखलता और सौन्दर्य-बोध में अन्तर है। बिगड़े दिमाग का युवक परायी बहू-बेटियों के घूरने को भी सौन्दर्य-प्रेम कहा करता है, हालाँकि यह संसार की सर्वाधिक असुन्दर बात है। जैसा कि पहले ही बताया गया है, सुन्दरता सामंजस्य में होती है और सामंजस्य का अर्थ होता है, किसी चीज का बहुत अधिक और किसी का बहुत कम न होना। इसमें संयम की बड़ी ज़रूरत है। इसलिए सौंदर्य-प्रेम में संयम होता है, उच्छृंखलता नहीं। इस विषय में भी साहित्य ही हमारा मार्ग-दर्शक हो सकता है।

जो आदमी दूसरों के भावों का आदर करना नहीं जानता उसे दूसरे से भी सद्भावना की आशा नहीं करनी चाहिए। मनुष्य कुछ ऐसी जटिलताओं में आ फंसा है कि उसके भावों को ठीक-ठीक पहचानना सब समय सुकर नहीं होता। ऐसी अवस्था में हमें मनीषियों की चिन्ता का सहारा लेना पड़ता है। इस दिशा में साहित्य के अलावा दूसरा उपाय नहीं है। मनुष्य की सर्वोत्तम कृति साहित्य है और उसे मनुष्य पद का अधिकारी बने रहने के लिए साहित्य ही एकमात्र सहारा है। यहाँ साहित्य से हमारा मतलब उसकी सब तरह ही सात्विक चिन्ता-धारा से है।

(क) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)

(ख) साहित्य स्रष्टा और साहित्य प्रेमी से क्या तात्पर्य है? (2)

(ग) लड्डू का उदाहरण क्यों दिया गया है? (2)

(घ) उच्छृंखलता और सौंदर्य-बोध में क्या अंतर है? (2)

(ङ) लेखक ने संसार की सबसे बुरी बात किसे माना है और क्यों? (2)

(च) जीवन में संयम की ज़रूरत क्यों है? (2)

(छ) हमें विद्वानों के चिन्तन की आवश्यकता क्यों पड़ती है? (2)

(ज) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए - 'उच्छृंखलता' (1)

(झ) सरल वाक्य में बदलिए- (1)

सभी मनुष्य स्वभाव से ही साहित्य-स्रष्टा नहीं होते, पर साहित्य प्रेमी होते हैं।

उत्तर- (क)

- 'मनुष्य और सौंदर्यबोध'
- सौंदर्यबोध में साहित्य की भूमिका
- साहित्य: हमारा मार्गदर्शक
- (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)

(ख) **साहित्य स्रष्टा**

- साहित्य सृजन करने वाला, लेखक

साहित्य-प्रेमी-

- साहित्य का रसास्वादन करने वाला।
- साहित्य की भावनाओं से तथा मनुष्य की भावनाओं से प्रेम।

(ग)

- मनुष्य का प्रत्येक वस्तु में सौंदर्य देखने का स्वभाव।
- प्रेम के कारण असुंदर को भी सुंदर मान लेना।

(घ) **उच्छृंखलता**-

- संयम न होना।
- आचरण की कुरूपता।

सौंदर्य-प्रेम-

- संयम होना
- सामंजस्य होना।

(ङ)

- संयम और सामंजस्य का न होना।
- परायी बहू-बेटियों को घूरना।
- दूसरों के भावों का आदर न करना।

(च)

- संयम सौंदर्य बोध को विकसित करने का आधार है।
- जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने की शक्ति को विकसित करता है।

(छ)

- जटिलताओं से मुक्त होने के लिए।
- मानवीय भावों को सही ढ़ंग से पहचानने के लिए।
- जीवन को समझने के लिए।

(ज)

- उपसर्ग- उत्
- प्रत्यय- ता

(झ) सभी मनुष्य स्वभाव से साहित्य-स्रष्टा होने के साथ-साथ साहित्य-प्रेमी भी होते हैं।

अथवा

सभी मनुष्य स्वभाव से साहित्य-स्रष्टा होते हुए भी (न होनेपर भी) साहित्य प्रेमी होते हैं।

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (1×5=5)

यह लघु सरिता का बहता जल

कितना शीतल, कितना निर्मल

हिमगिरि के हिम से निकल-निकल,

यह विमल दूध-सा हिम का जल,

कर-कर निनाद कल-कल, छल-छल,

तन का चंचल मन का विह्वल

यह लघु सरिता का बहता जल।

ऊँचे शिखरों से उतर-उतर

गिरगिर, गिरि की चट्टानों पर,

कंकड़-कंकड़ पैदल चलकर

दिनभर, रजनी-भर, जीवन-भर

धोता वसुधा का अंतस्तल

यह लघु सरिता का बहता जल।

हिम के पत्थर वो पिघल-पिघल,

बन गए धरा का वारि विमल,

सुख पाता जिससे पथिक विकल

पी-पी कर अंजलि भर मृदुजल

नित जलकर भी कितना शीतल

यह लघु सरिता का बहता जल।

कितना कोमल कितना वत्सल

रे जननी का वह अंतस्तल,

जिसका यह शीतल करुणाजल

बहता रहता युग-युग अविरल

गंगा, यमुना, सरयू निर्मल

यह लघु सरिता का बहता जल।

(क) वसुधा का अंतस्तल धोने में जल को क्या-क्या करना पड़ता है?

(ख) जल की तुलना दूध से क्यों की गई है?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए 'तन का चंचल मन का विह्वल'

(घ) कवि क्या संदेश दे रहा है?

(ङ) 'रे जननी का वह अंतस्तल' में जननी किसे कहा गया है?

उत्तर- (क) उतार-चढ़ाव जैसी कठिनाइयों का सामना करना। सतत प्रवाहमान रहना।

(ख)

- दूध की तरह जल से पोषण मिलना।
- हिमालय से निकलने के कारण बर्फ जैसा सफेद रंग।

(ग)

- नदी की तरह जीवन में आगे बढ़ने के लिए अनेक कठिनाइयों से जूझने की चंचलता एवं व्याकुलता।

(घ)

- जीवन बहुत सुंदर और अनमोल।
- अथक परिश्रम द्वारा कठिनाइयों को परास्त करते हुए आगे बढ़ना।

(ङ) धरती को।

खण्ड-'ख'

3. नीचे दिये विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए: (5)

(क) भारत में लोकतंत्र का स्वरूप

(ख) विज्ञापन और समाज

(ग) आतंकवाद विश्व के लिए चुनौती

(घ) नदियों के साथ हमारा जीवन

उत्तर-

- भूमिका -(1)
- विषय वस्तु- (3)
- भाषा - (1)

4. गाँवों से शहरों की ओर बढ़ते पलायन से उत्पन्न समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचारपत्र के संपादक को पत्र लिखिए और एक समाधान भी सुझाइए। (5)

उत्तर-

- आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ -1
- विषयवस्तु -3
- भाषा -1

अथवा

सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध नियम के उल्लंघन पर चिंता जताते हुए राज्य के पर्यावरण विभाग के सचिव को पत्र लिखिए और एक समाधान भी सुझाइए।

उत्तर-

- आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ -(1)
- विषयवस्तु -(3)
- भाषा -(1)

5. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए: (5)

(क) विशेष लेखन क्या है?

(ख) पीत पत्रकारिता किसे कहते हैं?

(ग) फीचर किसे कहा जाता है?

(घ) प्रमुख जनसंचार माध्यम कौन से हैं?

(ङ) समाचार लेखन की बहु प्रचलित शैली कौन सी है?

उत्तर- (क) विषय विशेष पर विशेषज्ञता के साथ लिखा गया लेखन।

(ख) चरित्र हनन की दृष्टि से सनसनीखेज़ समाचारों का संग्रहण एवं प्रसारण।

(ग) एक सुव्यस्थित, सृजनात्मक एवं आत्मनिष्ठ लेखन।

(घ) प्रिंट माध्यम, इलेक्टॉनिक माध्यम।

(ङ) उल्टा पिरामिड शैली।

6. 'भूकंप की त्रासदी' अथवा 'सब पढ़ें सब बढ़े विषय पर एक फ़ीचर तैयार कीजिए। (5)

उत्तर- फीचर/रिपोर्ट लेखन-

- विषय वस्तु - 2
- रोचकता प्रस्तुति-2
- भाषा - 1

7. 'आतंक का स्वरूप' अथवा 'युवाओं में बढ़ती नशा प्रवृत्ति' विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए। (5)

उत्तर- आलेख लेखन-

- विषय वस्तु - 2
- प्रभावी प्रस्तुति -2
- भाषा -1

खण्ड-'ग'

8. प्रस्तुत काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (8)

सबसे तेज़ बौछारें गयीं भादो गया

सवेरा हुआ

खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा

शरद आया पुलों को पार करते हुए

अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए

घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर

से चमकीले इशारों से बुलाते हुए

पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुंड को

चमकीले इशारों से बुलाते हुए और

आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए।

(क) शरद ऋतु कब और कैसे आती है?

(ख) सवेरे की तुलना किससे की गई है और क्यों?

(ग) 'चमकीले इशारों' में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए - से कवि का क्या तात्पर्य है?

उत्तर- (क)

- वर्षा ऋतु के बाद शरद ऋतु का आगमन।
- चारों ओर उल्लास का वातावरण।
- साइकिल चलाते हुए, घंटी बजा कर सूचना देकर।
- प्रकृति का और अधिक सुंदर होकर।

(ख)

- खरगोश की आँखों से।
- सुबह की लालिमा का स्पष्ट अनुभव।

(ग)

- स्वच्छ एवं स्पष्ट आकाश बच्चों को पतंग उड़ाने के लिए बुलाता हुआ लगता है।
- बच्चों की कल्पनाशीलता एवं स्वभाव का चित्रण।

(घ)

- आसमान इतना कोमल और साफ है जिसमें पतंग को उड़ाने के लिए पर्याप्त स्थान है।
- बच्चे ऊँचाई तक पतंग उड़ा सकते हैं।

अथवा

छोटा मेरा खेत चौकोना

कागज़ का एक पन्ना

कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।
कल्पना के रसायनों को पी

बीज गल गया निःशेष,

शब्द के अंकुर फूटे

पल्लव पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

(क) कवि खेत किसे मानता है और क्यों?

(ख) 'अंधड़' से क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'शब्द के अंकुर फूटे' में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए।

(घ) पल्लव, पुष्पों का उल्लेख यहाँ क्यों किया गया है?

उत्तर- (क)

- कवि कागज़ के पन्ने को खेत मानता है।
- जिस प्रकार खेत में बीज बोकर अन्न उपजाया जाता है उसी प्रकार हृदय में उमड़ी भावनाओं को कागज़ पर व्यक्त किया जाता है।

(ख)

- भावनाओं की आँधी।
- विचारों की उथल-पुथल।

(ग)

- शब्दों में भावाभिव्यक्ति का विकास होना
- रचनाशील होना।
- सांसारिक और व्यावहारिक अनुभव से रचना करना।

(घ) जिस प्रकार पत्तों और पुष्पों से छाया और सौरभ प्राप्त होते हैं। उसी प्रकार सृजित रचना से आनंद की अनुभूति होती है।

9. नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (6)

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी

हाथों में झुलाती है उसे गोद-भरी

रह-रह के हवा में जो लोका देती है

गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी।

(क) काव्यांश में प्रयुक्त छंद एवं उसकी भाषा का नाम लिखिए।

(ख) पंक्ति में निहित अलंकार तथा रस का नाम लिखिए।

(ग) कविता का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क)

- रूबाई छंद का प्रयोग।
- उर्दू शब्दों के साथ सरल हिंदी।

(ख)

- रूपक अलंकार-चाँद रूपी बालक।
- पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार-रह-रह।
- वात्सल्य रस

(ग)

- माँ अपने बच्चे को अपने हाथों से झुलाती है, गोद में लेती है।
- हवा में उछालती है, बच्चा खुश होता है, हँसता है।

अथवा

जथा पंख बिनु खग अति दीना। मनि बिनु फनि करिवर कर हीना।।

अस मम जीवन बंधु बिनु तोही। जो जड़ दैव जिआवै मोही।।

(क) कविता का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) काव्यांश की भाषा की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए तथा उदाहरण भी बताइए।

उत्तर- (क)

- तुलसी द्वारा पक्षी, साँप और हाथी के माध्यम से राम की मनोदशा का चित्रण किया है।
- पक्षी बिना पंख के।
- साँप बिना मणि के।
- हाथी बिना सूँड के वैसे ही राम बिना भाई के दुखी हैं।

(ख)

- तत्सम प्रधान अवधी भाषा।
- करुण रस।
- अनुप्रास एवं विभावना अलंकार।
- , छंद।

(ग)

- अनुप्रास अलंकार
- करिवर कर हीना
- बंधु बिन तोही ... आदि।

10. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (6)

(क) बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे? 'बच्चन' की कविता के आधार पर लिखिए।

(ख) 'उषा' कविता में कवि ने किस प्रकार गाँव की गतिशीलता का वर्णन किया है?

(ग) 'भाषा को सहूलियत' से बरतने से कवि का क्या अभिप्राय है?

उत्तर- (क)

- माँ की प्रतीक्षा में।
- भोजन की आशा में।
- चिंता में।

(ख)

- सूर्योदय के पहले से सूर्योदय तक के दृश्यों से प्राकृतिक हलचल।

- भोर में राख द्वारा चूल्हे का लीपा जाना।
- , ख़डिया या चौके का दृश्य।
- आसमान के रंगों का बदलना।
- तालाब में युवतियों का स्नान।
- ग्रामवासियों का कार्य हेतु प्रवृत्त होना।

(ग)

- भाव के अनुकूल भाषा का प्रयोग आवश्यक।
- भाव उलझ कर अभिव्यक्त नहीं हो पाता।
- अतः उलझन से बच कर भावानुकूल सरल भाषा का प्रयोग।

11. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (8)

प्लेटफॉर्म पर उसके बहुत से दोस्त, भाई रिश्तेदार थे। हसरत भरी नज़रों, बहते हुए आँसुओं, ठंडी साँसों और भिंचे हुए होठों को बीच में से काटती हुई रेल सरहद की तरफ़ बढ़ी। अटारी में पाकिस्तानी पुलिस उतरी, हिन्दुस्तानी पुलिस सवार हुई। कुछ समझ में नहीं आता था कि कहाँ लाहौर खत्म हुआ और किस जगह से अमृतसर शुरू हो गया। एक जमीन थी, एक जबान थी, एक-सी सूरतें और लिबास, एक-सा लबोलहज़ा और अंदाज़ थे, गालियाँ भी एक ही सी थीं जिनसे दोनों बड़े प्यार से एक-दूसरे को नवाज़ रहे थे। बस मुश्किल सिर्फ इतनी थी कि भरी हुई बंदूकें दोनों के हाथों में थीं।

(क) सफिया की रेल जब सरहद की तरफ बढ़ी तब उसकी मनःस्थिति कैसी थी?

(ख) 'अटारी' स्टेशन के महत्व को रेखांकित कीजिए।

(ग) लाहौर और अमृतसर की दूरी समझ से परे कैसे थी?

(घ) 'दोनों ओर भरी हुई बंदूकें थीं - कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क)

- मन भावों से भरा हुआ था।
- मनोवेग चेहरे पर झलक रहे थे।
- हसरत भरी नज़रों से, बहते हुए आँसुओं, ठंडी साँसों और भिंचे हुए होंठों से अपनी लाचारी को व्यक्त कर रही थी।

(ख)

- अटारी स्टेशन सरहद पर है।
- यहाँ पर हिन्दुस्तानी और पाकिस्तानी पुलिस की अदला-बदली होती है।

(ग)

- एक जमीन, एक जबान।
- एक सी सूरतें, लिबास तथा सब कुछ एक जैसा।
- एक-दूसरे का स्वागत करने का अंदाज भी एक जैसा।
- इन समानताओं में भी देशों की पहचान।

(घ)

- दोनों ओर अविश्वास।
- एक-दूसरे के प्रति दुश्मनी।
- बदला लेने का भाव।
- अपने-अपने देश की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध।

अथवा

भारतीय कला और सौन्दर्य शास्त्र को कई रसों का पता है, उनमें से कुछ रसों का किसी कलाकृति में साथ-साथ पाया जाना श्रेयस्कर भी माना गया है, जीवन में हर्ष और विषाद आते-जाते रहते हैं। यह संसार की सारी सांस्कृतिक परंपराओं को मालूम है, लेकिन करुणा का हास्य में बदल जाना एक ऐसे रस सिद्धांत की माँग करता है जो भारतीय परंपराओं में नहीं मिलता। 'रामायण' तथा 'महाभारत में जो हास्य है वह 'दूसरों पर है और अधिकांशत: वह पर-संताप से प्रेरित है। जो करुणा है वह अकसर सद्व्यक्तियों के लिए और कभी-कभार दुष्टों के लिए है।

(क) कलाकृति में रसों के होने से क्या अभिप्राय है?

(ख) 'जीवन में हर्ष और विषाद आते रहते हैं - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) पर-संताप से प्रेरित होने का क्या अर्थ है?

(घ) रस सिद्धांत की कौन सी विशेषता भारतीय परंपरा में नहीं है? क्यों?

उत्तर- (क)

- रसों का संबंध भावनाओं से है।
- भावों के अनुसार कलाकृति से आनंद की अनुभूति।

(ख)

- जीवन में उतार-चढ़ाव तथा सुख-दुख आते रहते हैं।
- जीवन की सभी स्थितियों को सहर्ष स्वीकारना ही श्रेयस्कर।

(ग)

- दूसरों के दुख या पीड़ा से उत्पन्न।
- स्वयं अनुभव न कर दूसरों के माध्यम से अनुभव करना।

(घ)

- करुणा का हास्य में बदल जाना।
- भारतीय परंपरा में दूसरों के दुख से उत्पन्न हास्य दिखाई पड़ता है, स्वयं पर हास्य की स्थिति वहाँ दिखाई नहीं पड़ती।

12. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (12)

(क) भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया होगा?

(ख) बाजार का जादू से क्या आशय है? उसके चढ़ने और उतरने का मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है?

(ग) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया? समीक्षा कीजिए।

(घ) ढोलक की आवाज का पूरे गाँव पर क्या असर होता था?

(ङ) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत क्यों माना है?

उत्तर- (क)

- वास्तविक नाम लक्ष्मी परंतु उसके जीवन में अभाव एवं संघर्ष।
- नाम एवं जीवन परिस्थितियों में अंतर।
- वह सामाजिक व्यंग्य का सामना नहीं करना चाहती।
- 'भक्तिन' को यह नाम महादेवी द्वारा दिया गया।
- विशिष्ट सेवा-भक्ति के कारण यह नाम दिया गया।

(ख)

- बाजार का जादू, उसके प्रति विचित्र आकर्षण को कहा गया है।
- इसके चढ़ने पर व्यक्ति अनावश्यक वस्तुओं का संग्रह करने लगता है।
- अति स्वाभिमानी हो जाता है।
- जादू उतरने पर वह संयमी हो जाता है।

- आवश्यक वस्तुओं को ही खरीदता है।
- बाजार की उपयोगिता समझ पाता है।

(ग)

- यह पानी अर्ध्य है, दान दोगे तभी भगवान पानी देंगे।
- पाँच-छह सेर गेहूँ बोने पर अधिक पैदावार।
- (समीक्षा में बच्चों की समझ एवं अभिव्यक्ति पर आधारित उत्तर स्वीकार्य)

(घ)

- गाँव के लोगों में संजीवनी भरने का काम।
- कमजोर आँखों में शक्ति का संचार।
- मृत्यु से भयभीत न होना।

(ङ)

- संन्यासी सुख-दुख में भी समभाव से रहता है।
- शिरीष भी समभाव से सर्दी-गर्मी में जीवित रहता है।
- वातावरण से अमृत खींच कर प्रसन्न रहता है।
- संन्यासी की भाँति अविचल-अनासक्त।

13. 'जूझ' कहानी में निहित जीवन मूल्यों की समीक्षा कीजिए। (5)

उत्तर-

- दृढ़ निश्चय
- संघर्ष करने की शक्ति।
- बड़ों का सम्मान।
  (इन मूल्यों की समीक्षा हेतु विद्यार्थियों की समझ एवं अभिव्यक्ति पर आधारित उत्तर स्वीकार्य)

14. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (10)

(क) यशोधर बाबू के चरित्र में बहुत सी विशेषताएँ हैं पर उन्हें अपनाने का मन नहीं करता। उदाहरण देकर समीक्षा कीजिए।

(ख) ऐन की डायरी को ऐतिहासिक महत्व का दस्तावेज क्यों कहा जाता है? उसने अपनी डायरी किट्टी को संबोधित कर क्यों लिखी होगी?

(ग) स्वयं कविता रच लेने का आत्म-विश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ? साहित्यिक रुचि जगाने में उसके अध्यापक का क्या

योगदान रहा?

उत्तर- (क)

- , समय का पाबंद।
- फिजूलखर्ची से बचना।
- , सरल जीवन जीने में विश्वास।
- काम के प्रति समर्पित।
  इन मूल्यों के साथ वर्तमान समय में जीना तथा काम करना कठिन क्योंकि जीवन में अधिक पाने की इच्छा तथा अतृप्ति अधिक हावी है।
  (विद्यार्थियों की समझ के अनुरूप उचित अभिव्यक्ति भी स्वीकार्य)

(ख)

- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाजियों के अत्याचार का प्रमाण।
- हजारों यातना शिविरों, बंधुआ मज़दूरों आदि के उत्पीड़न का साक्ष्य।
- यहूदियों पर हुए अत्याचार तथा भय के साये में जीवन का प्रमाण प्रस्तुत है।
- अपने आस-पास किसी प्रिय और भरोसेमंद मित्र के न होने के कारण अपनी भावना को अपनी प्यारी गुडिया किट्टी को संबोधित कर लिखी।

(ग)

- अपने मराठी के शिक्षक से प्रभावित होकर।
- शिक्षक की तर्ज पर स्वयं अन्य काम करते हुए कविता गाना, उनकी ताल से अलग ताल पर कविता बैठा कर गाना।
- शिक्षक द्वारा लिखी कविता 'मालती के बेल' कविता पढ़ कर, फसलों पर, जंगली फूलों पर तुकबन्दी।
- शिक्षक द्वारा पढ़ते समय स्वयं कविता में रम जाना।
- सुरीला गला, छंद, यति-गति तथा रसिकता के साथ कविता पढ़ना।